





# बदल रहा है शशि थर्स्टर और पी चिंदंबरम का मिजाज!

- दोनों नेताओं को साध कर दक्षिण के दुर्ग को साध सकती है भाजपा
- इस मौके का लाभ उठाने से पीछे नहीं हटेंगे भाजपा के रणनीतिकार

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान शांत पड़ी राजनीतिक गतिविधियां एक बार फिर जोर पकड़ने लगी हैं। इसका पहला संकेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिंदंबरम द्वारा लिखे गये एक लेख के बाद मिला। चिंदंबरम और शशि थर्स्टर के स्टैड से कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी हो रही हैं, जबकि भाजपा के लिए बड़ा सियासी मौका नजदीक आता दिखाई दे रहा है। चिंदंबरम ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ में एक लेख लिखा और अब इंडिया ब्लॉक को 'खराब और खिलाफ' हुआ बताया है, जबकि भाजपा को संगठित सशंक्त राजनीतिक दल बताकर कांग्रेस के लिए उलझन पेश कर दी है। दरअसल कांग्रेस

के वरिष्ठ नेताओं में शमार चिंदंबरम और थर्स्टर अपने बैगवाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। दोनों ही नेताओं ने पहलगाम आतंकी घटना से निपटने को लेकर पार्टी लाइन से बाहर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। वही वरिष्ठ नेता सलमान खुशीद और मृत्युंजय सिंह यादव की पुस्तक 'कंटेस्टिंग डमोक्रेटिक डिपार्सिट' के विमोचन कार्यक्रम में चिंदंबरम ने कहा कि यह निश्चित नहीं है कि इंडिया ब्लॉक अब भी पूरी तरह

एकजुट है या नहीं। यह विख्यात हुआ दिखाई देता है। गठबंधन का भविष्य उज्ज्वल नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि गठबंधन अब भी बरकरार है। चिंदंबरम ने सरकार की सात मई की सैन्य कार्रवाई की वैध और लक्ष्य को दिन बताते हुए सराहना की। उन्होंने सरकार की पारदर्शिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि मीडिया ब्रॉकिंग में महिला सैन्य अधिकारियों को सामने लाना एक स्मार्ट मूव था।



राकेश सिंह

चिंतित होना स्वाभाविक है, जबकि वे दोनों चिंदंबरम और थर्स्टर अपने बैगवाक लग रहे हैं और इन बैगवाक नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस में हो रहे पीढ़ी परिवर्तन से ये नेता अनफिट धोषित किये जा चुके हैं। इसलिए वे अपने अपने बयानों से भाजपा को पटाने में जुटे हैं।

राजनीतिक विशेषक भी मानते हैं कि थर्स्टर की सहानुभूति से केल भाजपा और चिंदंबरम की दरियादिली से तमिलनाडु भाजपा को आशातीत बढ़त मिल सकती है, क्योंकि कांग्रेस के जो वफादार पुराने प्रभारी हैं, उनमें से चिंदंबरम-थर्स्टर का नाम राजनीतिक हल्कों में बड़ी ही सफारी वर्षक लिया जाता है। इसके एक नई बल्कि सैकड़ों वजहें हैं। अद्वितीय तमाम उत्तर-चंदाल के बाबूजूद पूर्व प्रधानमंत्री जायीव गांधी के जमाने से ही चिंदंबरम कांग्रेस का झंडा मजबूती से पकड़ हुआ है। हालांकि कई बार उनके बयानों में भी कांग्रेस को कड़ी सच्चाई का समान कराना पड़ जाता है। वह भी बिलकुल वैसे ही कुछ करते हुए चिंदाई दे जाते हैं, जैसे शशि थर्स्टर करते हुते हैं। हालांकि कांग्रेस के लिए उनके बयानों में भी यही रही है, लेकिन वे उन्हें बड़े और प्रभावी नहीं हैं, जितने कि वे दोनों

## थर्स्टर की राह पर चिंदंबरम

अब ताजा मामला ही देखा जाये कि चिंदंबरम ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मसले पर भारत सरकार की पहली ही तारीफ की थी और अब इंडिया गठबंधन को भी आइना दिखाते हुए खरी-खोटी सुना दी है। इसके अपने सियासी मामले हैं, जिन्हें भूमान में भाजपा को बड़ी पैंडे नहीं हो रही हैं। अल्लोवा यही जारी रहता है कि वरिष्ठ राजनेता नहीं हैं, जो पहले से ही कांग्रेस लाने से बैगवान चल रहे थे, क्योंकि उनके बयानों से तो यही जाहिर होता है कि वे कांग्रेस दिमाग भी एक अन्य कांग्रेस दिमाग शशि थर्स्टर की गहरा चिंदाई राजनेता हैं, बल्कि भाजपा के वरिष्ठ राजनेता हैं। अल्लोवा इसलिए कि अब चिंदंबरम ने भी कुछ शशि थर्स्टर के उनके बयानों में यही रही है, लेकिन वे उन्हें बड़े और प्रभावी नहीं हैं, जितने कि वे दोनों

वरिष्ठ कांग्रेस का भविष्य उतना के पुनर्जीवन के प्रयासों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया है कि कैसे कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो यात्रा' और विपक्षी दलों के साथ मिलकर इंडिया ब्लॉक का गठन किया, जिससे भारत में लोकतंत्र के बचाने की कोशिश की गयी। किताब में कहा गया है कि इंडिया ब्लॉक से जुड़े कुछ मुद्दे हैं, जिनका समाधान किया जाना चाहिए।

## व्याय कहा चिंदंबरम ने

कार्यक्रम में चिंदंबरम ने भी इंडिया गठबंधन को आइना दिखाया है कि वरिष्ठ राजनेता हैं और समाजी व्याय के लिए उन्हें बड़ी ही उम्मीद जाती है। अब भी वे सियासी व्याय के लिए उन्हें बड़ी ही उम्मीद जाती है। वर्ती, चतुर सियाली खिलाड़ी रहे चिंदंबरम ने आखिरी में यह उम्मीद भी जाता दी कि इंडिया गठबंधन को अब भी जोड़ा जा सकता है। अगर समय रहते इस पार काम हुआ, तो कुछ हो सकता है। समझदारी नरेंद्र मोदी का समझदारी की विश्वासी व्याय है। इसके अपने सियासी मामलों में जिन्हें भाजपा को बड़ी पैंडे नहीं हो रही हैं। अल्लोवा यही जारी रहता है कि वरिष्ठ राजनेता नहीं हैं, जो पहले से ही कांग्रेस लाने से बैगवान चल रहे थे, क्योंकि उनके बयानों से तो यही जाहिर होता है कि वे कांग्रेस दिमाग भी एक अन्य कांग्रेस दिमाग शशि थर्स्टर की गहरा चिंदाई राजनेता हैं, बल्कि भाजपा के वरिष्ठ राजनेता हैं। अल्लोवा इसलिए कि अब चिंदंबरम ने भी कुछ शशि थर्स्टर के उनके बयानों में यही रही है, लेकिन वे उन्हें बड़े और प्रभावी नहीं हैं, जितने कि वे दोनों

# વિકસિત ભારત કે અમૃત સ્ટેશન



देश भर में

પुनर्विकસિત **103** અમૃત સ્ટેશનોं કા

उદ્ગાટન

जિસમें શામિલ હैं

**જારખંડ** કે **3** અમૃત સ્ટેશન



રાજમહલ



શંકરપુર



ગોવિન્દપુર રોડ

## લાભ

- સિટી સેંટરની વિકાસ - રૂફ પ્લાઝા, શૉપિં જોન, વિશ્રામ કક્ષ, વિશાળ પરિસંચારી ક્ષેત્ર આદિ જૈસી સુવિધાએં
- વિરાસત ભી વિકાસ ભી - સ્થાનીય વાસ્તુકલા સે પ્રેરિત સ્ટેશન ભવન
- અલગ-અલગ પ્રવેશ ઔર નિકાસ દ્વારા, બેહતર પાર્કિંગ, લિફ્ટ, એસ્કેલેટર, લાઉંજ, પ્રતીક્ષાલય, ટ્રેવલેટર, દિવ્યાંગજન અનુકૂલ સુવિધાએં
- મલ્ટી-મોડલ કનેક્ટિવિટી કે એકીકરણ સે યે સ્ટેશન બનેંગે ક્ષેત્ર કે સામાજિક-આર્થિક ગતિવિધિઓની કેન્દ્ર
- સ્ટેશનોની ડિઝાઇન મેં ઊર્જા દક્ષતા ઔર હરિત ઉપાયોની પ્રાથમિકતા, જિસને ન્યૂનતમ પર્યાવરણીય પ્રભાવ

પ્રધાનમંત્રી  
**નરેન્દ્ર મોદી**

કે કર કમલો દ્વારા

(વીડિયો કોન્ફ્રેન્સિંગ કે માધ્યમ સે)

22 માર્ચ, 2025 | પ્રાત: 10:30 બજે

ગારિમામયી ઉપાયોગિકી

સંતોષ કુમાર ગંગવાર

રાજ્યપાલ, ઝારখંડ

હેમંત સોરેન

મુખ્યમંત્રી, ઝારখંડ

અશ્વિની વૈષ્ણવ

કેંદ્રીય રેલ, સૂચના એવં પ્રસારણ તથા ઇલેક્ટ્રોનિકી  
ઔર સૂચના પ્રૌદ્યોગિકી મંત્રી

અર્જુન રામ મેધવાલ

કેંદ્રીય વિધિ એવં ન્યાય (સ્વતંત્ર પ્રભાર)  
તથા સંદીય કાર્ય રાજ્ય મંત્રી



ભારતીય રેલ

## दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि झारखंड निर्माण में दादा के योगदान को भूलाया नहीं जा सकता : हेमंत

आजाद सिपाही संचादनदाता

रांची। झारखंड राज्य आंदोलन के अगरणी नेता एवं पूर्व विद्यायक स्वर्गीय दुर्गा सोरेन को पुण्यतिथि के अवसर पर बृद्धवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विद्यायक कल्पना सोरेन ने रांची के नामकुम (लोवाडी) रिति दुर्गा सोरेन स्मारक पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विद्यायक कल्पना सोरेन ने दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर मालायापण कर उनके योगदान को याद किया और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।



इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

समाज सेवा को समर्पित था।

योगदान को कभी भूलाया नहीं जा सकता।

दुर्गा सोरेन का जीवन संघर्ष और

ज्ञारखंड के निर्माण में उनके

पर्यावरण दिवस भी है। श्री शरण ने रांची संचादनदाता

रांची। स्वयंसेवी संस्था युगांतर भारती के अध्यक्ष अंशुल शरण ने बृद्धवार पर झारखंड के राज्यपाल संसोष गंगवार से मुख्य अतिथि की ओर बोकारो में गंगा दशहरा के उत्तराखण पर आयोजित होने वाले देवनद दामोदर महोत्सव 2025 में बौती झारखंड के कुल 45 झर्णों पर देवनद दामोदर महोत्सव 2025 पूरे जोश और उत्साह के साथ मना या जायगा। उन्होंने राज्यपाल को नेचर फाउंडेशन एवं अन्य संस्थाओं के तत्वावादान में किया जा रहा है। 5 जून को विश्व प्रकृति की कुछ प्रतिमां भेंट की।

रांची (आजाद सिपाही)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (झज्जू) में एक देश एक चुनाव पर एक महत्वपूर्ण समिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुरील बंसल उपसंचार वै. इस सेमिनार में शिवराज सिंह चौहान ने एक देश एक चुनाव से देश को होने वाले कायदों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक देश एक चुनाव से देश में चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवसित और पारदर्शी बनाया जा सकता है। यह सेमिनार झज्जू मुख्यालय के साथ-साथ विभिन्न राज्यों में रित्यांत क्षेत्रीय केंद्रों में ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न राज्यों के अधिकारी वर्षाचारी एवं विद्यार्थी शमिल हुए और ऑनलाइन माध्यम से अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किये। झज्जू के कूलपति प्रोफेसर उमा कांजीलान ने इस सेमिनार के आयोजन के लिए सभी का स्वागत किया और कहा कि इन्हुंने देश के लिए सभी का स्वागत किया गया। इस सेमिनार में झज्जू के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों के अधिकारी वर्षाचारी एवं विद्यार्थी शमिल हुए और इन्होंने संभावित लाभों पर चर्चा करना था। सेमिनार में उपरित्य सभी लाभों ने सभी मुद्दों पर अपने विचार सझाया किये और एक दूसरे के सवालों के जवाब दिये।

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड

हमेशा से खेल प्रतिभाओं की भूमि

रहा है, और अब एक और नाम

झारखंड की भूमि हो गई।

मूल रूप से चांदीसार की रहने

वाली और तर्मान में खेलगांव

स्थित जेसरएसपीएस की कैडर

कनिष्ठा ने जॉडन के ओमान में

आयोजित एशियाई अंडर-15 बॉक्सिंग मैचिंगशिप में शनादार

प्रदर्शन करते हुए कार्ययोग्य पदक (बॉन्ज मेडल) जीतकर राज्य और

देश का मामूल रीशन किया है। प्रतियोगिता में रूस, करत,

कार्यक्रमान्तर जॉडन की उपरिक्षेत्री, ऑमान, इंडोनेशिया, बाइलैंड, चीन

और पाकिस्तान जॉडन देशों के प्रतिभावाल मुकर्जाओं ने भाग

लिया। ऐसे कठिन मुकाबले के बीच क्रिकेट के प्रदर्शन सराहनीय

रहा। लगातार जिजी अभियान के बाद वह सेमीफाइनल तक

पहुंची, जहां उन्हें कांजिक्स्टान की खिलाड़ी से हार का सामना

करना पड़ा और बॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। अपनी इस

उपलब्धि के लिए कनिष्ठा को सीरीजेल के सीरीजील की लिंडेंड कुमार

सिंह द्वारा सम्मानित की गया। यह सम्मान न केवल

कनिष्ठा के होस्ट को बढ़ावा देता है, बल्कि झारखंड की उपरिक्षेत्री

प्रतिभाओं की भूमि के उत्तराधिकारी के उपरिक्षेत्री

प्रतिभावाल के उत्तराधिकारी के उपरिक्षेत्री

रही है।

रांची (आजाद सिपाही)। रांची

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास

कम्युनिकेशन में त्रिवर्षीय बी (ऑर्स) इन जर्नलिज्म एंड मास

कम्युनिकेशन कोर्स के सत्र 2025-28 में प्रवेश लेने के इच्छुक

उम्मीदवारों से आवेदन आमत्रित किये गये हैं। आवेदन का किंसी

भी संकाय/शाखा में इंटर्मीटेंट या बारहवीं कक्षा में 45 प्रतिशत

अंकों के साथ उत्तीर्णी अनिवार्य है।

प्रतियोगिता में नामांकन के लिए एक अवधि

के अंदर आयोजित किया गया है।

रांची (आजाद सिपाही)। रांची

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास

कम्युनिकेशन में त्रिवर्षीय बी (ऑर्स) इन जर्नलिज्म एंड मास

कम्युनिकेशन कोर्स के सत्र 2025-28 में प्रवेश लेने के इच्छुक

उम्मीदवारों से आवेदन आमत्रित किये गये हैं। आवेदन का किंसी

भी संकाय/शाखा में इंटर्मीटेंट या बारहवीं कक्षा में 45 प्रतिशत

अंकों के साथ उत्तीर्णी अनिवार्य है।

प्रतियोगिता में नामांकन के लिए एक अवधि

के अंदर आयोजित किया गया है।

रांची (आजाद सिपाही)। रांची

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास

कम्युनिकेशन में त्रिवर्षीय बी (ऑर्स) इन जर्नलिज्म एंड मास

कम्युनिकेशन कोर्स के सत्र 2025-28 में प्रवेश लेने के इच्छुक

उम्मीदवारों से आवेदन आमत्रित किये गये हैं। आवेदन का किंसी

भी संकाय/शाखा में इंटर्मीटेंट या बारहवीं कक्षा में 45 प्रतिशत

अंकों के साथ उत्तीर्णी अनिवार्य है।

प्रतियोगिता में नामांकन के लिए एक अवधि

के अंदर आयोजित किया गया है।

रांची (आजाद सिपाही)। रांची

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास

कम्युनिकेशन में त्रिवर्षीय बी (ऑर्स) इन जर्नलिज्म एंड मास

कम्युनिकेशन कोर्स के सत्र 2025-28 में प्रवेश लेने के इच्छुक

उम्मीदवारों से आवेदन आमत्रित किये गये हैं। आवेदन का किंसी

भी संकाय/शाखा में इंटर्मीटेंट या बारहवीं कक्षा में 45 प्रतिशत

अंकों के साथ उत्तीर्णी अनिवार्य है।

प्रतियोगिता में नामांकन के लिए एक अवधि

के अंदर आयोजित किया गया है।

रांची (आजाद सिपाही)। रांची

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास

कम्युनिकेशन में त्रिवर्षीय बी (ऑर्स) इन जर्नलिज्म एंड मास

कम्युनिकेशन कोर्स के सत्र 2025-28 में प्रवेश लेने के इच्छुक

उम्मीदवारों से आवेदन आमत्रित किये गये हैं। आवेदन का किंसी

भी संकाय/शाखा में इंटर्मीटेंट या बारहवीं कक्षा में 45 प्रतिशत

अंकों के साथ उत्तीर्णी अनिवार्य है।

प्रतियोगिता में नामांकन के लिए एक अवधि

के अंदर आयोजित किया गय

पेज 01 का शेष

## थानों की बाध्यता होगी ...

शराब बिक्री को लेकर लिया गया निर्णयः झारखंड उत्ताद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025 के गठन संबंधित प्रस्तावित अधिसूचना प्रारूप के नियम 20 पर गहन विचार-विमर्श एवं चर्चा के उपरान्त राज्य के भीतर आदिवासी बाहल्य क्षेत्रों के वैसे

ग्राम पंचायत, जिसमें 50% या उससे अधिक जनजातीय आबादी हो और वह स्थल झारखंड सरकार के पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के विभिन्न अधिसूचनाओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महत्व, राष्ट्रीय महत्व, राजकीय महत्व एवं स्थानीय महत्व के पर्यटन स्थल (धार्मिक मान्यता के स्थल को छोड़कर) घोषित हो, तो पर्यटकों को बढ़ावा देने, राजस्व हित एवं अवैध मदिरा पर सहमति बनी।

दो महीने पर वन पट्टा बांटने का निर्णयः

वन अधिकार योजना अंतर्गत अबुआ बीर दिशेम अभियान के विकान्यन पर चर्चा के उपरान्त यह निर्णय लिया गया कि यह 'अबुआ बीर दिशेम' व्यापक रूप से लगातार चलायी जाती रहे। यह सुनिश्चित किया जाये कि हर दो माह में वनपट्टा का वितरण अनिवार्य रूप से हो। वनपट्टा हेतु प्राप्त आवेदनों के अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए स्वीकृति प्रक्रिया अविलंब पूरी किए जाने पर सहमति बनी।

**इन विषयों पर हुई चर्चा :**

- बोकारो जिला के ललपनिया में आदिवासी धार्मिक स्थल लग्युरु में डीवीसी (ऊरु) द्वारा पनविजली परियोजना पर कार्य किये जाने के संबंध में चर्चा की गयी। इस संबंध में मानव सदस्यों को अवधारणा करता राज्य की राज्य सरकार द्वारा आदिवासी धार्मिक स्थल लग्युरु को संविधान रखने की मंथा से डीवीसी एवं भारत सरकार को अवधारणा करता राज्य जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा पूर्व में ही डीवीसी के इस परियोजना की स्थिति किये जाने का निर्णय लिया गया है।

- वनपट्टा आच्छादित परिवारों के विलायितों एवं बच्चे-बच्चियों के आवासीय एवं जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने में जो व्यवधान अथवा कठिनाइयां उत्पन्न हो रही है, उसका समाधान सुनिश्चित की जाये।

उक्त प्रक्षेत्र में ऑफ प्रकृति की खुदरा उत्ताद (होटल, रेस्तरां, बार एवं क्लब) (अनुज्ञान एवं संचालन) (संशोधन)

नियमावली, 2025 के गठन संबंधी संलेख एवं प्रस्तावित अधिसूचना प्रारूप की किंडिका-2 के नियम 21 पर सहमति दी गयी।

आदिवासी बाहल्य क्षेत्रों के वैसे ग्राम पंचायत, जिसमें 50% या उससे अधिक जनजातीय आबादी हो और वह स्थल झारखंड सरकार के पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के विभिन्न अधिसूचनाओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महत्व, राष्ट्रीय महत्व, राजकीय महत्व एवं स्थानीय महत्व के पर्यटन स्थल (धार्मिक मान्यता के स्थल को छोड़कर) घोषित हो, तो पर्यटकों को बढ़ावा देने, राजस्व हित एवं अवैध मदिरा पर सहमति बनी।

- झारखंड उत्ताद होटल, रेस्तरां, बार एवं क्लब (अनुज्ञान एवं संचालन)

(संशोधन)

नियमावली, 2025 के गठन संबंधी संलेख एवं प्रस्तावित

अधिसूचना प्रारूप की किंडिका-2

के नियम 21 पर सहमति दी गयी।

आदिवासी धार्मिक स्थल लग्युरु में डीवीसी (ऊरु) द्वारा पनविजली परियोजना पर कार्य किये जाने के संबंध में चर्चा की गयी। इस संबंध में मानव सदस्यों को अवधारणा करता राज्य की राज्य सरकार द्वारा आदिवासी धार्मिक स्थल लग्युरु को संविधान रखने की मंथा से डीवीसी एवं भारत सरकार को अवधारणा करता राज्य जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा पूर्व में ही डीवीसी के इस परियोजना की स्थिति किये जाने का निर्णय लिया गया है।

- वनपट्टा आच्छादित परिवारों के विलायितों एवं बच्चे-बच्चियों के आवासीय एवं जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने में जो व्यवधान अथवा कठिनाइयां उत्पन्न हो रही है, उसका समाधान सुनिश्चित की जाये।

उक्त प्रक्षेत्र में ऑफ प्रकृति की खुदरा उत्ताद

ग्रामीण (आजाद सिपाही)। झारखंड कैबिनेट की बैठक 22 मई को होगी।

मत्रिमंडल सचिवालय एवं नियरानी विभाग (समन्वय) ने यह जानकारी दी है। बैठक शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। बैठक में कई अहम प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है।

## हेमंत कैबिनेट की बैठक आज, कई अहम प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड कैबिनेट की बैठक 22 मई को होगी।

मत्रिमंडल सचिवालय एवं नियरानी विभाग (समन्वय) ने यह जानकारी दी है। बैठक शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। बैठक में कई

अहम प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है।

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड कैबिनेट की जातीय की अधिकारियों को किया गिरफ्तार

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड कैबिनेट की जातीय की अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में जेएसएलपीएस के जाएम वित्त सुधीर कुमार और नीरज सिंह हैं। लंबी पूछताछ के बाद एसीबी की टीम ने तीनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी एसीबी ने देर रात प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

शराब घोटाले में एसीबी ने तीन और अधिकारियों को किया गिरफ्तार

रांची (आजाद सिपाही)। शराब घोटाला मामले में एसीबी ने तीन और अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में जेएसएलपीएस के जाएम वित्त सुधीर कुमार और नीरज सिंह हैं। लंबी पूछताछ के बाद एसीबी की टीम ने तीनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी एसीबी ने देर

रात प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

अमृत भारत स्टेशन: परिवर्तन के प्रतीक, सांस्कृतिक पहचान के दर्पण

रांची (आजाद सिपाही)। शराब घोटाला मामले में एसीबी ने तीन और अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में जेएसएलपीएस के जाएम वित्त सुधीर कुमार और नीरज सिंह हैं। लंबी पूछताछ के बाद एसीबी की टीम ने तीनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी एसीबी ने देर

रात प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

अमृत भारत स्टेशन: परिवर्तन के प्रतीक, सांस्कृतिक पहचान के दर्पण

रांची (आजाद सिपाही)। अमृत भारत स्टेशन की जातीय की अधिकारियों को किया गिरफ्तार

रांची (आजाद सिपाही)। अमृत भारत स्टेशन की जातीय की अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में जेएसएलपीएस के जाएम वित्त सुधीर कुमार और नीरज सिंह हैं। लंबी पूछताछ के बाद एसीबी की टीम ने तीनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी एसीबी ने देर

रात प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

अमृत भारत स्टेशन योजना इस

परिवर्तन की केंद्रीय कड़ी है।

भारतीय रेल द्वारा संचालित यह

योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह योजना देश के 1300 से

अधिक रेलवे स्टेशनों का संचालन

करने का कार्य रेलवे स्टेशनों का संकर्त्ता है। यह यो

# संपादकीय

## ... ताकि भरोसा बना रहे

ज स्टिस यशवंत वर्मा केस में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ अहम सवाल उठाये हैं। जांच कमिटी के संवैधानिक अधार और अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं होने को लेकर उनकी चिंताओं पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है, क्योंकि मामला न्यायपालिका की विश्वसनीयता और पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है।

कमिटी की वैधता: जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से बढ़ा मात्रा में कथित तौर पर नकटी मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने घटना की जांच के लिए तीन जांचों की आंतरिक कमिटी बनायी, जिसने आरोपों को विश्वसनीय माना है। लेकिन उपराष्ट्रपति का यह कहना कि कमिटी को काइं संवैधानिक वैधता नहीं है, खुद इस जांच की विश्वसनीयता पर अंगूली उठा देना है। क्या कोई ऐसा तरीका निकाला जा सकता है, जिससे आंतरिक जांच की प्रासांगिकता और संवैधानिक वैधता बनी रहे?

न्यायपालिका केस: उपराष्ट्रपति ने कहा है कि 1991 के सुप्रीम कोर्ट के बीच न्यायपालिका फैसले पर पुरुषिचार किया जाये। इस फैसले के मुताबिक ही सिटिंग जज के खिलाफ एक आदानप्रदान के लिए सींजेआइ की मंजूरी चाहिए होती है। वह व्यवस्था इसलिए है, ताकि न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना करत्व निभा सके।

सरकार के पाले में गेंद: सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के सिटिंग

जज को बर्खरस या

सम्पर्क करने का

अधिकारी भी सुप्रीम

कोर्ट कालीजियम के

पास नहीं है।

कॉलीजियम काम

वापस ले सकता है,

ट्रांसफर की सिफारिश

कर सकता है और

जांच समिति बना

सकता है। इस केस में

जांच वर्मा का

ट्रांसफर किया गया और कमिटी की रिपोर्ट सरकार और राष्ट्रपति

के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गयी है। वहाँ से अब गेंद सरकार और संघर्ष के पाले में है।

पहला मामला: महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है।

लेकिन आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले भ्रात्याचार के आरोपों का सामना कर रखे कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायालिक समिति सेने के महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहली ही उठाने इसको दे दिया, यानी वहाँ भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पायी थी।

जटिलता कम हो: भ्रात्याचार न्यायपालिका की इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ मौका है। इसकी वज्र से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व सींजेआइ संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देखा से साझा किया। साथ ही उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायालिकों ने अपनी संपत्ति का बोगा भी सार्वजनिक किया। अब अगर वह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहाँ भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है?

### अभिमत आजाद सिपाही

पिछले महीने 17 अप्रैल को पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल सैयद अलीम मुनीर ने सैयद अहमद खान के उस विषाक्त द्विराष्ट्र सिद्धांत को एक बार पिछे दोहराया। उन्होंने कहा कि इसके पीछे मूल विचार यह है कि मुस्लिम और हिंदू दो अलग-अलग राष्ट्र हैं। मुनीर ने ऐटाबाद के काकुल में पाक सैन्य अकादमी ने आंतरिक वैधता बनी रहे?

न्यायपालिका केस: उपराष्ट्रपति ने कहा है कि 1991 के सुप्रीम कोर्ट के बीच न्यायपालिका फैसले पर पुरुषिचार किया जाये। इस फैसले के मुताबिक ही सिटिंग जज के खिलाफ एक आदानप्रदान के लिए सींजेआइ की मंजूरी चाहिए होती है। वह व्यवस्था इसलिए है, ताकि न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना करत्व निभा सके।

सरकार के पाले में गेंद: सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के सिटिंग

### रमेश वैद्य

जैसा कि 'बाजारीवास मस्तानी' फ़िल्म में सभी ने देखा कि पेशवाई के लिए साजाकार के समय बाजारीवास ने अपने तीर से मोरपंख का आकार कम कर अपने 'शस्त्र और शास्त्र' के ज्ञान में पारंगता का प्रमाण दिया। उनका सदृश्य था कि मोर का पंख मुलाय समाज था, इसकी जड़ पर प्रहार करो, तो वह अपने आप नहीं जायेगा। अभी पाकिस्तान के साथ हुए टकराव के समय भी भारत ने 'शस्त्र और शास्त्र' दोनों धरातलों पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। शस्त्र के धरातल पर तो सभी जानते हैं कि कैसे भारत ने पाकिस्तान में स्थित आंतकी झड़ों को धरत किया, वहाँ की बायू रक्षा कवच को तहस-नहस करते हुए अपनी अचूक नभ सुक्ष्म व्यवस्था का परिचय दिया, लेकिन इसके साथ-साथ हमने पाकिस्तानी सेना अध्यक्ष जनरल मुनीर द्वारा अलापे गये धर्म के नाम पर दो राष्ट्र के सिद्धांतों को भी धाराशाही कर दिया।

सन 1817 में पैदा हुए मुस्लिम विद्वान सर सैयद अहमद खान ने अंग्रेज सरकार के समाने बायू रक्षा कवच के नाम पर दो राष्ट्र के सिद्धांत वाली वैचारिक अलग-अलग द्वारा बना रहा है। उनका यही विचार आगे चल कर दो राष्ट्र के सिद्धांत बना, जिससे 1947 में धर्म के नाम पर देश का विभाजन हुआ।

कट्टरपंथ, जुनूनी हिंसा और हाईकोर्ट के चलते चाहे भारत ने धर्म के नाम पर हुए इस बंटवारों को स्वीकार कर दिया, परंतु वैचारिक धरातल पर यह कभी नहीं माना गया कि पूजा पद्धति अलग होने से किसी की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते हुए पुनः अखंड भारत की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते हुए पुनः अखंड भारत की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते हुए पुनः अखंड भारत की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते हुए पुनः अखंड भारत की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते हुए पुनः अखंड भारत की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते हुए पुनः अखंड भारत की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते हुए पुनः अखंड भारत की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते हुए पुनः अखंड भारत की

राष्ट्रीयता अलग हो जाती है।

भारत की युगों से अवधारणा रही है 'एक सद् विप्रा बहुधा वर्ती' अर्थात् ईश्वर एक है, पर विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। इसी विश्वास के कारण ही हम 1947 में हुए विभाजन को अप्राकृतिक और ईश्वर की इच्छा के विपरीत मानते













समर कैंप में डांस, योगा, जुंबा जैसी गतिविधियों होंगी

देवघर (आजाद सिपाही)। शहर के साथैब पोखर इलाके में डांस एंड फिटनेस सेटर बी-डीलाइट में उद्घाटन से आठ दिवसीय समर कैंप की शुरूआत हुई। इसका उद्घाटन इंटक के नाम अधिक्ष बृजभूषण राम, अधिवक्ता विश्वनीत कुमार सिन्हा, समाजसेवी मो समरुद्धीन, अधिवक्ता विनोद कुमार अंबेट ने संयुक्त रूप से किया। संस्थान के डायरेक्टर कुमार प्रियांशु राज ने बताया कि 21 से 28 मई तक कैंप में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों के लिए भी कई एकेटिंग खेल होंगी। डांस, योगा, जुंबा, फन, वैलेज एवं एकेटिंग, आर्ट एंड क्रॉपट, गेम, मैटेटेशन, डाइट प्लान, के साथ-साथ कई तरह की गतिविधियां अगले दिनों तक होंगी। उद्घाटन के मौके पर इंटक के नाम अधिक्ष बृजभूषण राम ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से बच्चों में बौद्धिक विकास होता है। अत्यंत बच्चे गर्भी की छुट्टियों में नानी के घर चले जाते हैं। लेकिन संस्थान की ओर से आठ दिवसीय समर कैंप में बच्चे हर तरह की गतिविधियां सीखेंगे। कैंप में फिलाल 35 बच्चे और उनके अभिभावक भाग ले रहे हैं।

## सिविल सेवा के परीक्षार्थियों के लिए विशेष सरका आयोजन

देवघर (आजाद सिपाही)। डॉ बाबा साहेब आडेकर पुस्तकालय में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए उडान आइएस एकेडमी रांगी की ओर से विशेष कक्षा का आयोजन किया गया। इस विशेष सरका में संस्थान के शिक्षकों का व्यासारिक व्युत्थान एवं जुर्मानी, उत्तर लेखन कीशल और समसामयिक मुहूर पर वर्च की गई। छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ प्रश्नोत्तर सरका की आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों ने सिविल सेवा के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रश्न किया। उडान आइएस एकेडमी के शिक्षक ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य योग्य छात्रों को युवतार्था मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। ताकि वे देश की सर्वोच्च सेवाओं में खान प्राप्त कर सकें।

# डॉ एसएन सिंह सीनेट सदस्य मनोनीत देवघर कॉलेज में शिक्षकों ने किया स्वागत



## आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। देवघर महाविद्यालय के इहें कई अधिकार प्राप्त होते हैं और उनके कई कार्य होते हैं। सीनेट विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी और प्रमुख संस्था होती है, जो सोनोनित किया गया है। बुधवार को नये सीनेट मेंबर का देवघर महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकारों ने स्वागत किया। विश्वविद्यालय के इहें कई अधिकार प्राप्त होते हैं और उनके कई कार्य होते हैं। सीनेट सदस्य के विश्वविद्यालय के कार्यों और नीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होता है। अधिष्ठ दस्य को विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण मामलों पर वोट करने का अधिकार होता है। जैसे-नियम, विनियम, बजट आदि। सदस्य को अपनी राय और सुझावों के माध्यम से विश्वविद्यालय की नीतियों को प्रभावित करने का अधिकार होता है। अधिष्ठ दस्य करते हुए बताया कि

को विश्वविद्यालय के हित में प्रस्ताव पेश करने का अधिकार होता है। अधिष्ठ दस्य को विश्वविद्यालय के कार्यों और नीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होता है। अधिष्ठ दस्य को विश्वविद्यालय के नियम और विनियमों में बदलाव देने का अधिकार होता है। सदस्य को अपनी राय और सुझावों के माध्यम से विश्वविद्यालय की नीतियों को प्रभावित करने का अधिकार होता है।

# श्रावणी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के इलाज और दवा का खर्च सरकार उठायेगी : डॉ इरफान अंसारी

## आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। 15 जुलाई से शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले को लेकर राज्य सरकार ने बड़ी निर्णय है। एक माह तक मेले में आने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ख्याल राज्य सरकार रखेगा। सुबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निर्देश दिया है कि मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

मेले में श्रद्धालुओं के इलाज, दवा, वेदानाथ का आशोप ले।

उल्लेखनीय है कि देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर सदर अस्पताल नामा और पुराना दोनों में श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त वार्ड बनेगा। वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।

वेदानाथ में देवघर के श्रावणी मेले में एक माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष व्यवस्था हो रही है।